हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025

तापमान
अधिकतम 25 .2 डिग्री
न्यूनतम 17 .0 डिग्री

संसार में वाल्मीकि रामायण एक अनुपम कृति एवं आदर्श ग्रंथ: श्रुति 12

पेपरलेस रजिस्ट्रेशन की शुरुआत कल से, सिस्टम अपग्रेडेशन का कार्य हुआ पूरा 12

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष जून माह में विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। कई बार काउंसलिंग कराने के बाद भी बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 2 सितंबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। जांच के बाद इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के ढिगावन निवासी रामजस को गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

सड़क हादसे के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 3 अक्टूबर को माजरा के पास हुए हादसे के बाद दर्ज मामले में राजस्थान के जाखल निवासी नवीन को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में एक फैक्ट्री श्रमिक यूपी निवासी महेंद्र की मौत हो गई थी। वह सड़क पार करते समय कार की चपेट में आ गया था। थाना खोल पुलिस ने 16 सितंबर को दर्ज किए गए मामले में राजस्थान के चिकानी बास अलवर निवासी ज्योति आर्य को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

झूठी सूचना के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने झूठी सूचना फैलाकर प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गत 12 सितंबर को विभिन्न धाराओं के तहत कुछ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसी दौरान एक आरोपी ने अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद पुलिस ने उसे तफ्तीश में शामिल करने के लिए गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को कोर्ट के फैसले के अनुसार छोड़ दिया गया।

ड्रोन पायलेट ट्रेनिंग के लिए 15 तक करें आवेदन

रेवाड़ी। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की ओर से अनुसूचित जाति के महिला एवं पुरुष को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन पॉयलेट ट्रेनिंग दी जाएगी। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के जिला प्रबंधक पवन कुमार ने बताया कि ड्रोन पायलेट ट्रेनिंग के लिए पात्रता आयु 18 से 45 वर्ष, परिवार पहचान पत्र में सालाना आय 3 लाख रुपये व शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास होना आवश्यक है। ड्रोन पॉयलेट ट्रेनिंग के लिए 15 अक्टूबर तक अपने दस्तावेज आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, 10वीं की मार्कशीट व दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के कार्यालय शॉप नंबर-10 प्रथम तल नई अनाज मंडी या दूरभाष नंबर 01274-221035 पर सम्पर्क कर सकते है।

ओवरफ्लो सीवर से नया बाजार में फैली गंदगी

बेमौसमी बारिश से गर्मी की विदाई, किसानों की मुश्किलें बढ़ीं, खेतों में धान की फसल को नुकसान

चार घंटे झमाझम बारिश से लुढ़का पारा, मंडी में सैकड़ों क्विंटल बाजरा भीगा, कीचड़ में बदल गया शहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अक्टूबर के पहले सप्ताह में ही झमाझम बारिश ने गर्मी की विदाई के संकेत देने का काम कर दिया। खेत में मौसम की मार झेल चुके किसानों के लिए बरसात ने मंडी में भी किसानों का बाजरा भिगो दिया। बारिश से शहर की तस्वीर बिगड़ गई। तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने से मौमस ठंडा हो गया। अगले एक-दो दिन तक मौसम इसी तरह का बना रहने की संभावना है। सोमवार को सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे। दोपहर तक जिले के कई भागों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। लगभग चार घंटे तक रुक-रुककर बारिश होती रही। शाम तक औसत 14 एमएम बारिश होने का अनुमान लगाया गया। बारिश के बाद अधिकतम तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस गिरकर 25.2 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान भी 2.8 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 17.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 82 प्रतिशत रहा, जबकि हवा की गति 13 किलोमीटर प्रति घंटा रही। लगातार बारिश के बाद मौसम ठंडा पड़ गया। कूलर और पंखे तक चलने बंद हो गए। नवंबर माह जैसा मौसम बन गया। कूलर और पंखों का लोड कम होने से बिजली की खपत 10 लाख यूनिट तक कम हो गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि 7 अक्टूबर को भी मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आसमान में बादलों के बीच हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। रात के तापमान में और कमी आ सकती है, जिससे सर्दी की शुरूआत हो जाएगी। सोमवार को शाम को एक बार थमने के बाद बारिश बार-बार होती रही।

तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने से मौमस ठंडा हो गया

बारिश होते ही किसानों को बाजरे को भीगने से बचाने के इंतजाम खुद ही करने पड़े

बरसात आने पर तिरपाल से ढकी गई ट्रैक्टर-ट्राली

■ शाम तक औसत 14 एमएम बारिश होने का अनुमान लगाया गया
■ हवा में नमी का स्तर 82 प्रतिशत रहा

बाजरा बारिश से भीगकर खराब हो गया

बड़ी संख्या में किसानों का बाजरा सितंबर माह के शुरू में हुई बारिश से खेतों में ही भीगकर खराब हो गया था। इससे बाजरे की क्वालिटी खराब हो गई थी। जिन किसानों का बाजरा सुरक्षित बच गया था, उनका बाजरा मंडियों में बारिश के कारण भीग गया। आवक अधिक होने के कारण बड़ी संख्या में किसानों का बाजरा खुले में पड़ा हुआ था। बारिश होते ही किसानों ने बाजरे को भीगने से बचाने के इंतजाम खुद ही करने पड़े। इसके बावजूद कई किसानों का बाजरा बारिश से भीगकर खराब हो गया।

कीचड़ के कारण दुकानदारों और ग्राहकों को परेशानी

बारिश के बाद शहर के बाजार में पानी एकत्रित होने से जगह-जगह कीचड़ ही कीचड़ हो गया, जिससे त्योहारी सीजन पर दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ गया है। करवा चौथ पर बाजार में महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। कीचड़ के कारण दुकानदारों और ग्राहकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। सीवर सफाई के बाद बाजार में निकाली गई गंदगी बारिश होते ही सड़कों पर फैलने से लोगों का वहां से निकलना भी मुश्किल बन गया है।

सरसों बिजाई का कार्य हुआ आसान

इस बारिश से सरसों की बिजाई करने वाले किसानों की राह आसान हो गई है। बिजाई के लिए किसान जमीन की सिंचाई करने में लगे हुए हैं। बारिश होने के बाद उन्हें पलाव करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मौसम साफ होते ही बिना जमीन सिंचाई के ही किसान सरसों की बिजाई कर सकते हैं। अगर मौसम ज्यादा समय तक इसी तरह का बना रहा, तो किसानों के लिए बिजाई करना मुश्किल साबित हो सकता है।

पूर्व ब्लॉक समिति चेयरमैन सतबीर झाबुआ की सड़क दुर्घटना में मौत

बावल। बावल ब्लॉक समिति के पूर्व चेयरमैन व गांव झाबुआ निवासी 55 वर्षीय सतबीर सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। सतबीर सिंह अपने साथियों सहित राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने गए थे। वापस लौटते समय अजीतगढ़ के पास एक ढाबे पर शनिवार रात करीब 12 बजे चाय पी रहे थे। इसी दौरान एक बोलेरो चालक ने नियंत्रण खो दिया और हाइवे से नीचे उतरकर ढाबे पर सतबीर सिंह को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके आकस्मिक निधन से क्षेत्र में गहरा शोक है। उनके निधन पर क्षेत्र के अनेक राजनीतिक संगठनों और समाजसेवियों ने शोक प्रकट किया है।

सतबीर सिंह

डेंगू का आंकड़ा 250 की ओर अग्रसर, सोमवार को चार को एडीज ने डंक मारा

■ डेंगू मामलों के तेजी से बढ़ने का कारण नगर परिषद की ओर से शहर में फोगिंग कार्य में लापरवाही बरतना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में इस वर्ष डेंगू के आंकड़ों ने अगस्त माह से ही काफी रफ्तार पकड़ी हुई है। सीजन में अब तक 243 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। इसके अलावा गत दिनों में 14 लोग मलेरिया की चपेट में भी आ चुके है। इस बार प्राइवेट लैबों से डेंगू की पुष्टि ज्यादा हुई है। अब तक 46 डेंगू मरीजों की सरकारी व 197 मरीजों की पुष्टि प्राइवेट लैबों से की गई है। अक्टूबर माह के छह दिनों में जिले में 24 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। सोमवार को डेंगू के 4 पॉजिटिव मरीज और मिलने ने आंकड़ा 250 की ओर बढ़ गया है। डेंगू मामलों के तेजी से बढ़ने का कारण नगर परिषद की ओर से शहर में फोगिंग कार्य में लापरवाही बरतना है, क्योंकि डेंगू के 243 मरीजों में 109 मरीज शहर से ही मिले है। डिप्टी सीएमओ डा. अमित यादव के नेतृत्व में हेल्थ इंस्पेक्टर टीम डेंगू की रोकथाम के लगातर प्रयास कर रही है और घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने के साथ कूलर, फ्रिज, पानी की टंकी व आसपास जमा पानी में लार्वा की जांच कर रही है। घरों में लार्वा मिलने पर लोगों को नोटिस भी दिए जा रहे है। अब तक लार्वा मिलने पर 3352 लोगों को नोटिस दिए जा चुके है।

रेवाड़ी। घरों में जांच के लिए पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम। फोटो :हरिभूमि

शहर में मिले सबसे ज्यादा डेंगू के मरीज

मलेरिया हेल्थ इस्पेक्टर हरिप्रकाश ने बताया कि इस सीजन में अभी तक डेंगू के 243 केस आ चुके है। मलेरिया के भी 14 केस आ चुके है। जिले में अभी तक शहर में 109, बावल सीएचसी में 44, मीरपुर सीएचसी में 23, खोल सीएचसी में 44, गुरावड़ा सीएचसी में 12 व नाहड़ सीएचसी में 11 डेंगू के केस मिल चुके है। अब तक 3606 लोगों के ब्लड सेंपल लिए जा चुके है। सोमवार को सरकारी लैब में 27 व प्राइवेट लैब में 5 सहित 32 डेंगू संभावित लोगों के बल्ड सेंपल लिए गए।

डेंगू के लक्षण और बचाव

डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर दिन में काटता और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। तेज बुखार, बदन, सिर एवं जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर लाल धब्बे या चकत्ते का निशान, नाक-मसूड़ों से या उल्टी के साथ रक्त स्राव और काला पखाना होना डेंगू के लक्षण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो अपना इलाज कराएं। डेंगू व मलेरिया बीमारियों से बचाव के लिए घर में आसपास साफ-सफाई रखे। ठहरे हुए पानी में काला तेल डाले। घरों के बर्तन, कूलर, पानी की टंकी व पशुओं की खेल की सफाई करते रहे, जिससे मच्छर का लार्वा न पनप सकें।

जेपीएस के पूर्व छात्र वत्सल का एमबीबीएस में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जैन पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र वत्सल गुप्ता का चयन एमबीबीएस के लिए हुआ है। वत्सल ने ऑल इंडिया जनरल कैटेगिरी में 2270 रैंक प्राप्त करके यह उपलब्धि हासिल की है। छात्र की माता जेपीएस में उपप्रधानाचार्या एवं पिता बैंक अधिकारी हैं। विद्यालय के मीडिया प्रभारी गोपाल शर्मा ने बताया कि शुरू से ही मेधावी छात्र रहे वत्सल ने दसवीं तक की स्कूली शिक्षा जैन पब्लिक स्कूल से ही की है। वत्सल के पिता राधेश्याम गुप्ता पंजाब नेशनल बैंक में कार्यरत हैं, जबकि माता विजय गुप्ता उपप्रधानाचार्या के पद पर कार्यरत हैं। छात्र का चयन दिल्ली स्थित बीएसए मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुआ है। इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन एवं स्टाफ ने वत्सल को शुभकामनाएं दी हैं।

वत्सल गुप्ता

करावरा मानकपुर में पंचायती जमीन से खाली करवाया कब्जा

» पुलिस बल की मौजूदगी में प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध नहीं हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पंचायत विभाग की टीम ने सोमवार को करावरा मानकपुर में पंचायती जमीन पर किए गए अवैध कब्जों को जेसीबी मशीन से साफ करा दिया गया। पुलिस बल की मौजूदगी में प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध नहीं हुआ।

गांव की पंचायती जमीन पर काफी समय से प्रभावशाली लोगों ने कब्जे किए हुए थे। इसकी शिकायत जिला प्रशासन को की गई थी। गत दिनों प्रशासन की ओर से कब्जे हटवाने के आदेश दिए गए थे। सोमवार को एसडीओ पंचायती राज ओमप्रकाश के नेतृत्व में एक टीम रोहड़ाई पुलिस के साथ गांव पहुंची।

जेसीबी मशीन से अवैध कब्जों को साफ करा दिया गया। कब्जा धारक पुलिस की मौजूदगी के कारण किसी तरह का कोई विरोध नहीं कर पाए। पंचायती जमीन खाली होने से ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली है।

> पंचायती जमीन खाली होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली

यात्रियों की सुविधा के लिए बाड़मेर-जम्मूतवी एक तरफा स्पेशल ट्रेन का संचालन कल से

रेवाड़ी। रेलवे की ओर से त्योहारी सीजन में अतिरिक्त यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए बाड़मेर-जम्मूतवी एक तरफा स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 04818 बाड़मेर-जम्मूतवी एक तरफा स्पेशल रेलसेवा 8 अक्टूबर को बाड़मेर से दोपहर 12:30 बजे रवाना होकर वीरवार को शाम 3:30 बजे जम्मूतवी पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में बायतू, बालोतरा, समदडी, ढुंढाड़ा, लूनी, जोधपुर, गोटन, मेडता रोड, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, नावां सिटी, फुलेरा, रेनवाल, रींगस, श्रीमाधोपुर, कावंट, नीमकाथाना, डाबला, नारनौल, अटेली, रेवाड़ी, अस्थल बोहर, रोहतक, जींद, नरवाना, जाखल, संगरूर, धुरी, लुधियाना, जालन्धर सिटी, टाडा उडमुड, पठानकोट कैंट, हीरानगर व साम्बा स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 2 फर्स्ट मय सैकेंड एसी, 1 सैकेंड एसी, 2 सैकेंड मय थर्ड एसी, 3 थर्ड एसी, 8 द्वितीय शयनयान, 3 साधारण श्रेणी व 1 गार्ड डिब्बों सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने नारियल फोड़कर बस स्टैंड कार्य का श्रीगणेश किया

धारूहेड़ा में 12.78 करोड़ से बनने वाले बस स्टैंड के कार्य का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

सोमवार को धारूहेड़ा में 12.78 करोड़ की लागत से बनने वाले आधुनिक नए बस स्टैंड के कार्य का शुभारंभ किया गया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने नारियल फोड़कर बस स्टैंड कार्य का श्रीगणेश किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में कार्य पूरा कराने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि गत 15 जून को बस स्टैंड का शिलान्यास प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की मौजूदगी में किया था। बरसात का मौसम होने के कारण इसका निर्माण कार्य शुरू होने में कुछ विलंब हो गया।

विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में बस स्टैंड के कार्य का शुभारंभ करते विधायक। फोटो :हरिभूमि

बस स्टैंड सड़क से ऊंचा बनाया जाएगा

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह बस स्टैंड सड़क से ऊंचा भी बनाया जाएगा, ताकि किसी भी सूरत में जलभराव की स्थिति न बन पाए। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड का निर्माण कार्य 18 माह के भीतर पूरा हो जाएगा तथा उसे शीघ्र ही क्षेत्र की जनता को समर्पित किया जाएगा।

निरंतर प्रगति की ओर से अग्रसर रेवाड़ी विस क्षेत्र

विधायक ने अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता तथा निर्धारित समय में कार्य को पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पूर्ण पारदर्शिता के साथ समान विकास करा रही है। रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र निरंतर प्रगति की ओर से अग्रसर है। क्षेत्र में एक साल की अवधि के दौरान करोड़ों रुपये के विकास कार्य कराए जा चुके हैं तथा इतने ही कार्य निमार्णाधीन है। विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि विकास के मामले में रेवाड़ी को अग्रिम पंक्ति में लाकर खड़ा करना ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया। इस मौके पर धारुहेड़ा नगर पालिका चेयरमैन कंवर सिंह, वाइस चेयरमैन अजय जांगड़ा, पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन सतेंद्र, मनोज सैनी, नानक खोला, अतर सिंह पांचाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनिवास, देवराज महामंत्री, सुनील ठेकेदार व चापसी सिंह सहित अनेक विभागीय अधिकारी, पार्षद, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता व गणमान्य लोग मौजूद थे।

राठ इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने एनडीए परीक्षा में पाई सफलता

रेवाड़ी। एनडीए परीक्षा में सफत रहे विद्यार्थियों का सम्मान करते शिक्षक।

रेवाड़ी। यूपीएससी की ओर से घोषित एनडीए की लिखित परीक्षा में राठ इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। छात्र वैभव यादव, ध्रुव अग्रवाल, हर्ष यादव, मयंक यादव, गुंजा सोनी, प्रसून मेहता, आदित्य विक्रम, साहिल राज, भावी व प्रनील मेहरोत्रा ने एनडीए की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विद्यालय ग्रुप डायरेक्टर शिवानी यादव ने सभी सफल रहे विद्यार्थियों का फूलमाला व साफा पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने बताया कि अब तक राठ स्कूल के 297 विद्यार्थी एनडीए की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर चुके है। उन्होंने कहा कि राठ स्कूल प्रतिभाओं को निखारने का काम करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। सेक्रेटरी नितेश यादव ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। विद्यालय के चेयरमैन बलवान सिंह यादव ने कहा राठ स्कूल पिछले 23 वर्षों से क्षेत्र के बच्चों के बेहतरीन भविष्य के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। स्कूल का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे का सर्वांगीण विकास करना है।

हरिभूमि

रोहतक, मंगलवार
7 अक्टूबर 2025

सहेली

करवा चौथ विशेष

दांपत्य जीवन में आस्था का उत्सव

करवा चौथ का पर्व स्त्रियों की आस्था और दांपत्य जीवन के प्रति उनके समर्पण के भाव को प्रतिबिंबित करता है। विवाहित स्त्रियां इस पर्व के जरिए चांद को साक्षी मानकर अपने रिश्तों को संजोने का संकल्प लेती हैं, जिसमें उनके परिवार के सदस्यों का अपनापन, स्नेह और संस्कृति-पूजन परंपराओं की सोंधी महक भी समायी होती है।

आवरण कथा
कल्पना मनोरमा

भारत में मनाए जाने वाले अनेक पर्वों में कुछ ऐसे भी हैं, जो सीधे स्त्री मन की गहराई को छूते हैं। करवा चौथ इन्हीं में से एक है। यह केवल एक दिन का व्रत नहीं, स्त्री के प्रेम, समर्पण और आस्था की आत्मिक निष्ठा है, जो हर वक्त उसके हृदय में बनी रहती है। हर वर्ष करवा चौथ का दिन स्त्रियों को यह याद दिलाता है कि रिश्तों की शक्ति केवल शब्दों या कथनों में नहीं, बल्कि भावनाओं, विश्वास और त्याग में निहित होती है।

स्त्री के अस्तित्व की आत्मीय अनुभूति

करवा चौथ का व्रत, स्त्री के लिए केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, उसके अस्तित्व की वह आत्मीय अनुभूति है, जिसमें प्रेम, आस्था और समर्पण एक साथ बसते हैं। यह दिन उसे अवसर देता है कि वह अपने रिश्ते को साधारण दिनचर्या से उठाकर, एक ऊंचे भावलोक तक पहुंचा सके। चांद की शीतलता में जब एक स्त्री दीप-जल के साथ पति का मुखड़ा देखती है, तो ऐसा लगता है कि चांद भी उस दिन अपनी कोमल छटा में इतरा रहा है।

स्त्री के भीतर छिपे अदृश्य सौंदर्य का उत्सव

भारतीय संस्कृति में व्रत और उपवास कोई भी कर सकता है, लेकिन त्याग-समर्पण का जिम्मा स्त्री ने अपनी पहचान और अधिकार बना लिया है। भारतीय स्त्रियां केवल व्रतों के माध्यम से ही नहीं, अपने हर कर्म और समर्पित प्रयास से परिवार को पोषित करती हैं। इसी क्रम में करवा चौथ स्त्री के भीतर छिपे उस अदृश्य सौंदर्य का उत्सव है, जो रिश्तों में नई ऊष्मा भरता है।

घर और मन की सजावट

हमारे हर पर्व की अपनी अलग सुगंध, रंग-रूप और तैयारी होती है। करवा चौथ की तैयारियां भी केवल एक दिन पहले से शुरू नहीं होतीं, बल्कि इसकी मानसिक तैयारी तो बरसात के दिनों से ही शुरू हो जाती है। बरसात के बीतने के बाद, जैसे ही मौसम अपना रुख बदलता है, स्त्रियां धीरे-धीरे करवा चौथ की तैयारी की सोचने लगती हैं। घर की सबसे बड़ी या अनुभवी स्त्री की अनुमति लेकर युवा स्त्रियां घर में एक शांत और पवित्र कोना चुनती हैं। इसके बाद अल्पना बनाने का काम होता है। घर की सबसे कुशल और होशियार बहू को कुछ दिनों के लिए चौका-बर्तन से छुट्टी दे दी जाती है, ताकि वह ध्यानपूर्वक अल्पना बना सके। करवा की अल्पना में स्त्री ने सदैव प्रकृति को प्रमुखता दी है। उसने अपनी सहगामी परिधि में सूरज, चांद, सितारे, बरगद, पीपल, रिश्ते, भाई-बहन, देवरानी-जेठानी, मजदूर, गाय-बैल और किसान सबको बनाया और पूजा की। यह अल्पना केवल सजावट नहीं, बल्कि स्त्री के मन, उसकी कल्पना और उसके जीवन के छोटे-बड़े हिस्सों का प्रतिबिंब भी होती है।

अपनत्व से दमकता स्त्री मन

जब करवा चौथ का व्रत आता, तो उसकी पहली रात घर की बड़ी-बूढ़ी स्त्रियां खीर, हलुआ और अन्य मिठाइयां तैयार करती हैं। चाहे दिन भर कितनी भी व्यस्तता क्यों न हो, कुछ मीठा अवश्य बनता है, ताकि व्रती स्त्री खा सके। क्योंकि मीठा खाने से प्यास नहीं लगती और दूसरा दिन ऊर्जावान बना रहता है। हाथों में मेहंदी रचती है, साड़ी, झुमके और नथ-टीका निकाले जाते हैं। इन तैयारियों के बीच, स्त्रियों का मन अपनत्व से दमकता रहता है।

व्रत का दिन और उत्सव का चरम

व्रत वाले दिन स्त्री निर्जल रहकर भी उमंग-उत्साह से लबरेज रहती है। सुबह से ही घर का वातावरण विशेष प्रतीत होता है। हर काम, चाहे सफाई में झाड़ू लगाने का काम हो या बच्चों को तैयार करने का, पवित्र और ध्यानमग्न होकर किया जाता है। रात होते-होते घर का माहौल और भी उल्लासमय हो जाता है। बाहर चांदनी शांत और कोमल रात होती है और अंदर करवा की पूजा-पाठ, कथा कही-सुनाई जाती है। पति के मंगलमय जीवन की कामना की जाती है। जब चांद निकलता है तो वह केवल आकाशीय घटना भर नहीं रह जाता, उस क्षण स्त्री के मनाकाश में प्रेम और विश्वास का प्रतीक बनकर चांद उदित होता है। करवा के व्रत का सबसे भावपूर्ण क्षण वह होता है, जब पत्नी चांद को अर्घ्य देती है फिर पति के हाथ से जल ग्रहण करती है तो उसकी आंखों में उस क्षण प्रेम की एक अलग ही चमक होती है।

इस तरह स्त्रियों के मन और हृदय में बसी श्रद्धा और आस्था है, जो न केवल उनके जीवन को रोशन करती है, बल्कि परिवार और रिश्तों को स्थायी, आत्मीय और सजीव बनाती है। मिट्टी की खुशबू, चांद की शीतलता और लोकगीतों का मधुर स्वर, ये सब मिलकर करवा चौथ को केवल उपवास या पूजा नहीं, बल्कि संस्कृति और प्रेम का जीवंत उत्सव बना देते हैं। कहा जा सकता है कि ऐसे त्योहार, केवल आनंद के अवसर ही निर्मित नहीं करते, ये हमें समय, समुदाय और जीवन के गहरे अर्थों की याद दिलाते हैं। ये हमें प्रेम से जीना सिखाते हैं, आपस में जोड़कर रखते हैं।

करवा चौथ के दौरान कई महिलाओं को डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है। इससे बचने के लिए आपको सरगी लेते समय ऐसे फूड्स, ड्रिंक्स को शामिल करना चाहिए, जिससे आप पूरे दिन हाइड्रेटेड-एनर्जेटिक फील कर सकें।

व्रत के दौरान इस तरह रखें खुद को हाइड्रेट

डाइट सजेशन
निकिता चौहान

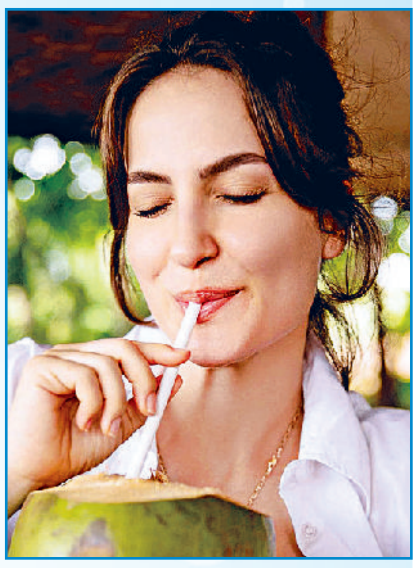

करवा चौथ पर विवाहित महिलाएं निर्जला व्रत करती हैं। इस दिन वे सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक उपवास रखती हैं और अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हैं। इस दौरान कई महिलाओं को कमजोरी महसूस होती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वे खुद को प्रॉपर तरीके से हाइड्रेट नहीं रखती हैं। इस वजह से उन्हें चक्कर आने लगता है तो कुछ को मितली जैसा महसूस होता है। इन समस्याओं से बचने के लिए महिलाओं और विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं को व्रत के दौरान अपने हाइड्रेशन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। यहां आपको खुद को हाइड्रेट रखने के तरीके बता रहे हैं।

ऐसे करें दिन की शुरुआत: दिन की शुरुआत 2-3 गिलास सादा पानी पीने से करें। इसके बाद सूर्योदय से पहले खाई जाने वाली सरगी में ऐसे खाद्य को शामिल करें, जिसमें पानी पर्याप्त मात्रा में हो। नारियल पानी और छाछ पी सकती हैं। इनमें इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर को हाइड्रेटेड और ठंडा रखते हैं। चाय, कॉफी और नमकीन स्नैक्स लेने से बचें। व्रत के दौरान पानी से भरपूर फल जैसे संतरा, पपीता और खीरा आदि का सेवन कर सकती हैं।

आपको भूख महसूस न हो इसके लिए सरगी में आप हेल्दी फैट्स और प्रोटीन लें। इसके लिए भीगे बादाम, दूध, दही और पनीर का सेवन कर सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है या कमजोरी महसूस कर रही हैं तो पूरे दिन का निर्जला व्रत रखने से बचें। पूरे दिन थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीती रहें। नारियल पानी या ओआरएस घोल भी पी सकती हैं। ठोस खाद्य के बजाय तरल पदार्थ अधिक मात्रा में लें। निराहार के बजाय फलाहार उपवास कर सकती हैं।

थकान से बचें: व्रत के दौरान पानी की कमी ना हो इसके लिए दिन के समय धूप और गर्मी से बचें। ज्यादा शारीरिक श्रम न करें और हल्की, ढीली ड्रेस पहनें। आराम करती रहें ताकि पसीने से पानी की कमी न हो।

डिहाइड्रेशन के लक्षण पहचानें: उपवास के दौरान पानी न पीने से कई महिलाओं को डिहाइड्रेशन का रिस्क रहता है। ऐसे में आपको इन लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी है- चक्कर या हल्की बेहोशी महसूस होना, सिरदर्द, बार-बार होंठ या मुंह सूखना, थकान या चिड़चिड़ापन, यूरीन कम होना या गहरे रंग का होना। अगर ये सभी या इनमें से कोई लक्षण दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

डॉक्टर से कंसल्ट करें: अगर आपको कोई मेडिकल इश्यू है या आप प्रेग्नेंट हैं तो व्रत रखने का निर्णय लेने से पहले स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। डॉक्टर आपके ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल और आपकी सेहत की अन्य बातों पर गौर करके आपको व्रत के दौरान सावधानी बरतने संबंधी उचित सलाह देंगी। आपको ध्यान रखना चाहिए कि हर महिला का शरीर अलग तरह का होता है। ऐसे में व्रत के दौरान क्या करना है, क्या नहीं, इस बारे में अपने डॉक्टर से जरूर बात करें।

(मदरहुड अस्पताल, एनसीआर की कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. स्मिति जैन से बातचीत पर आधारित)

भावनाएं / प्रस्तुतिःआरती सक्सेना

दांपत्य जीवन में प्रेम-समर्पण का प्रतीक करवा चौथ का व्रत

दांपत्य का रिश्ता पति-पत्नी दोनों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इस रिश्ते का मधुर और मजबूत होना बहुत जरूरी है। फिल्म-टीवी की अभिनेत्रियां बता रही हैं करवा चौथ का पर्व उनके दांपत्य जीवन में क्या मायने रखता है, वे इस पर्व को कैसे मनाती हैं, इस बार उनकी क्या तैयारी है?

यह अनोखा पर्व हमारे दांपत्य जीवन में मधुरता घोलता हैः कियारा आडवाणी

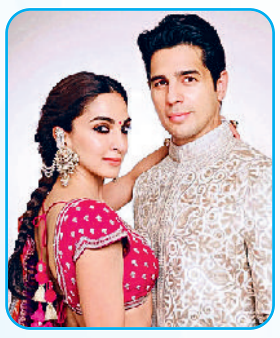

अपनी शादी के बाद मैं हर वर्ष करवा चौथ पूजा पूरे विधि-विधान के साथ करती हूं, व्रत रखती हूं, अपने पति सिद्धार्थ की लंबी आयु और स्वस्थ जीवन की मंगल कामना करती हूं। इस साल भी मैं करवा चौथ व्रत रखूंगी। इसकी तैयारी मैंने अभी से शुरू कर दी है। इस बार मैं करवा चौथ के लिए स्पेशल ड्रेस या डिजाइनर साड़ी लेने वाली हूं। सिद्धार्थ के लिए भी खूबसूरत कुर्ता-पजामा खरीदूंगी। हर साल मैं करवा चौथ पर स्पेशल मेहंदी लगवाती हूं, जिसमें सिद्धार्थ के नाम का पहला अक्षर मेरे हाथ पर लिखा होता है। इस बार भी मैं ऐसी ही मेहंदी लगाने वाली हूं। रोजमर्रा की जिंदगी में मैं लाइट कलर के ड्रेस पहनना पसंद करती हूं, लेकिन करवा चौथ पर मुझे डार्क कलर पहनना पसंद है, जैसे रेड, मैरून, डार्क पिंक। पिछले साल मैंने ससुराल में करवा चौथ मनाया था, जो मेरे लिए बहुत यादगार रहा। ससुराल में करवा चौथ पर सिर्फ सिद्धार्थ ही नहीं, मेरी सासू मां और पूरा परिवार मेरा बहुत ध्यान रख रहा था। मेरी सास ने मुझे करवा चौथ की सुबह सरगी दी, जो मैंने सुबह-सुबह चार बजे खाई। इसके बाद बिना कुछ खाए-पिए करवा चौथ का व्रत रखा। रात को चांद देखकर मैंने अपना करवा चौथ का व्रत सिद्धार्थ के हाथों पानी पीकर खोला। इसके बाद हम दोनों लोग ड्राइव पर गए। सिद्धार्थ ने मुझे सरप्राइज गिफ्ट दिया, जो एक खूबसूरत मोबाइल था। करवा चौथ का व्रत मेरे लिए इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हर करवा चौथ पर हमारा रिश्ता और मजबूत होता है। यह बहुत अनोखा पर्व है, हमारे दांपत्य जीवन में मधुरता घोलता है।

स्त्री का सुहाग उसके जीवन का एक वरदान हैः भारती सिंह

जब मैं बहुत छोटी थी, शादी-शुदा महिलाओं को करवा चौथ व्रत रखते देखती थी। उनका सजना-संवरना मिलकर करवा चौथ की पूजा करना, चांद देखकर अपने पति के हाथों जल पीकर व्रत तोड़ना, ये सब मुझे बहुत भाता था। मैं सोचती थी, जब मैं बड़ी होऊंगी, शादी करूंगी तो इन महिलाओं की तरह मैं भी अपने पति के लिए ऐसे ही सज-धज कर करवा चौथ की पूजा करूंगी। उस वक्त मुझे यह नहीं पता था कि करवा चौथ का व्रत भूखे-प्यासे रहकर करना पड़ता है। शादी के बाद जब मैंने पहली बार करवा चौथ का व्रत रखा, उस वक्त पूरा दिन भूखा-प्यासा रहकर मेरी हालत बहुत पतली हो गई थी। लेकिन रात को जब चांद देखकर व्रत तोड़ा, तो एक अलग ही सुकून मिला। इसके बाद हर साल मैं पूरे दिल से करवा चौथ का व्रत रखती हूं। मेरा मानना है स्त्री का सुहाग उसके जीवन का एक वरदान है। इस बात का एहसास मुझे उस वक्त हुआ, जब मेरी लाइफ में हर्ष की एंट्री हुई। हर्ष ने मुझे इतना प्यार दिया, इतनी खुशी दी कि मैं उनके बिना जीने की कल्पना भी नहीं कर सकती। करवा चौथ के दिन मैं सुबह चार बजे उठकर सास द्वारा दी गई सरगी खाती हूं। पूरा दिन सजने-संवरने में जुटी रहती हूं, हाथों में मेहंदी से लेकर पैरों में पायल, ज्वेलरी, मेकअप, हेयर स्टाइल सब कुछ पूरे दिन चलता रहता है। इस दिन हर्ष मेरी हर बात मानते हैं, मेरे नखरे उठाते हैं। हर साल वह मेरे लिए कोई ना कोई खूबसूरत गिफ्ट लेकर जरूर आते हैं। इस बार भी मैं धूमधाम से करवा चौथ मनाऊंगी। करवा चौथ की फोटोज और वीडियो भी आप लोगों के साथ शेयर करूंगी।

मेकअप
सरिता गुप्ता

ग्लिटरी-ब्राइट मेकअप से निखर उठेगी खूबसूरती

विवाहित महिलाओं का सबसे बड़ा त्योहार करवा चौथ को माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए निर्जल व्रत रखती हैं। इस अवसर पर बड़े चाव से सजती-संवरती भी हैं। सुंदर सी साड़ी, लहंगा, मैचिंग ज्वेलरी कैरी करती हैं, मेहंदी, महावर भी लगाती हैं। इसके साथ ही, पूजा करने के लिए वे अच्छे से मेकअप भी करना चाहती हैं। इस ऑकेजन पर आपका मेकअप स्पेशल होना चाहिए। इसीलिए यहां हम आपको बता रहे हैं ग्लिटरी-ब्राइट मेकअप के स्टेप्स।

मॉयश्चराइजर: मेकअप शुरू करने के पहले स्टेप में फेस पर मॉयश्चराइजर लगाएं। इससे चेहरे पर मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है। मॉयश्चराइजर लगाने के 10 मिनट बाद बेस लगाना सही रहता है।

कंसीलर: अगर आपके चेहरे पर दाग-धब्बे हैं और आप उन्हें छुपाना चाहती हैं तो कंसीलर का यूज जरूर करें। साथ ही चेहरे पर चमक लाने के लिए आप प्राइमर का यूज कंसीलर से पहले करें।

फाउंडेशन या बेस: फाउंडेशन या बेस खरीदते समय अपनी स्किन टोन से मैचिंग जरूर कर लें। साथ ही ऐसे फाउंडेशन का सेलेक्शन करें, जो लॉन्ग-लास्टिंग हो ताकि आपका मेकअप लंबे समय तक बरकरार रहे। स्किन टोन से मैचिंग बेस को अच्छे तरीके से ब्लेंड करें। इससे फेस पर नेचुरल ग्लो आता है।

अप्लाई करें ब्लशर: बेस लगाने के बाद गालों पर हल्का-सा ब्लशर अप्लाई करें ताकि चेहरे पर ग्लो दिखाई दे।

आइज मेकअप: फेस मेकअप के बाद आइज मेकअप की बारी आती है। आंखों को सुंदर दिखाने के लिए आप अपनी ड्रेस से मैच करता हुआ लाइट ब्राउन या लाइट ग्रे कलर का आईशैडो लगा सकती हैं। आंखों का मेकअप हाईलाइट करने के लिए आप हल्की ग्लिटर वाली या शिमरी आईशैडो का यूज भी कर सकती हैं।

मस्कारा: मस्कारा लगाने से आपकी पलकें घनी और लंबी दिखाई देती हैं। आंखों पर मस्कारा का एक कोट लगाना काफी है। एक से अधिक कोट ना लगाएं।

आई लाइनर: आंखों के मेकअप को क्लीन दिखाने के लिए पतला आई लाइनर लगाएं। अगर अपने मेकअप को स्पेशल फेस्टिव टच देना चाहती हैं तो आप लाइट ब्राउन या ब्लू कलर का आई लाइनर चुन सकती हैं।

लिपस्टिक: मेकअप को कंप्लीट लुक देने के लिए लिपस्टिक का सही शेड चुनना बहुत जरूरी है। गलत शेड आपके मेकअप का लुक बिगाड़ सकता है। ध्यान रखें कि अगर आपने आइज मेकअप डार्क किया है तो लिपस्टिक लाइट लगाएं। होंठों को ड्राई होने से बचाने के लिए पहले लिप बाम लगाएं।

(ब्यूटी एक्सपर्ट आरती सिन्हा से बातचीत पर आधारित)

पर्व संदेश
सरस्वती रमेश

हमारे हर पर्व के पीछे कोई ना कोई बड़ा उद्देश्य होता है, उसके संदेश होते हैं। करवा चौथ भी ऐसा ही एक पर्व है। करवा चौथ पति-पत्नी के संबंध मधुर और मजबूत बनाने के साथ पूरे परिवार को आपस में जोड़ता है।

करवा चौथ के अवसर पर बनें प्यार-परंपरा के साक्षी

दांपत्य, एक अनूठा रिश्ता है, ऐसा रिश्ता जो एक ही रिश्ते में अनेक रिश्तों को समाहित किए है। जीवनसाथी सिर्फ पति-पत्नी के बंधन में नहीं बंधे होते, उनका रिश्ता साथ, विश्वास और सहयोग का होता है। दांपत्य का रिश्ता उस नाजुक बेल की तरह होता है, जो एक-दूसरे के सहारे से आगे बढ़ती है। कभी-कभी इस नाजुक बेल की मजबूती के लिए कुछ खास भी करना पड़ता है। वही खास अवसर है-करवा चौथ का पर्व। इस अवसर पर दांपत्य के रिश्ते को हरा-भरा और पुष्पित करने के लिए पत्नी अपने प्रेम का जल, भरोसे की खाद और समर्पण की धूप देती है। यह रिश्ता हमेशा खिला-खिला रहे, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, जैसे-

साथ का अहसास: करवा चौथ पर सुहागन स्त्रियां व्रत रखती हैं, लेकिन उनके लिए यह सिर्फ एक व्रत मात्र नहीं है, इस दिन वे मेहंदी, महावर, कुमकुम, मांग-टीका और तन के सारे श्रृंगार कर, दांपत्य जीवन का भी श्रृंगार करती हैं। व्रत के साथ यह सदिच्छा भी जुड़ी होती है, यह अहसास भी कि हर उम्र में, हर मोड़ पर दांपत्य की बगिया अपने सुंदरतम रूप में खिली रहे। यहां यह भी ध्यान देने वाली बात है, स्त्री का यह सुंदर स्वप्न तभी पूरा होगा, जब उसे अपने जीवनसाथी का भरपूर प्यार और साथ मिले। करवा चौथ इस साथ के अहसास को और गहरा करता है।

रिश्ते में हो त्याग की भावना: जैसा कि हम सब जानते हैं, करवा चौथ पर स्त्री अन्न-जल त्याग कर पति की लंबी आयु की प्रार्थना करती है। दांपत्य के रिश्ते को हमेशा सजीव और मधुर रखने के लिए हमें इसी तरह के त्याग की जरूरत होती है। जब रिश्ते में त्याग का भाव निहित हो, तभी दांपत्य की खुशहाली संभव है।

पति भी रखे ख्याल: जिस तरह किसी त्योहार का पारंपरिक और सांस्कृतिक पक्ष होता है, उसी तरह उसका व्यावहारिक पक्ष भी होता है। करवा चौथ का भी व्यावहारिक पक्ष है, यह विवाह के वक्त किए गए वचनों को आगे बढ़ाने और व्यावहारिक रूप से उन्हें जीवन में अपनाने के लिए इंगित करता है। यदि पति की लंबी आयु की कामना से पत्नी कठिन व्रत रख सकती है, तो पति को भी उसकी सेहत और मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए।

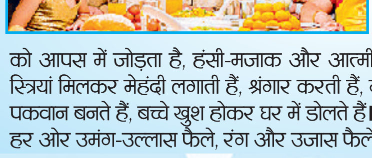

पूरे परिवार का उत्सव

करवा चौथ पूरे परिवार का उत्सव है। भले ही इसका पालन घर की स्त्रियों द्वारा होता है, लेकिन जब तक परिवार का प्रत्येक सदस्य इसमें शामिल न हो, तब तक इस त्योहार को मनाने का अर्थ परिपूर्ण नहीं होता। करवा चौथ का पर्व परिवार के लोगों को आपस में जोड़ता है, हंसी-मजाक और आत्मीयता के नए अवसर सुलभ करता है। सारी स्त्रियां मिलकर मेहंदी लगाती हैं, श्रृंगार करती हैं, गीत गाती हैं, दिल खोलकर हंसती हैं। घर में पकवान बनते हैं, बच्चे खुश होकर घर में डोलते हैं। यही तो त्योहारों को मनाने का उद्देश्य है कि हर ओर उमंग-उल्लास फैले, रंग और उजास फैले।

बाजरा एमएसपी पर खरीदने व पर्याप्त खाद-बीज उपलब्ध कराने की मांग, लघु सचिवालय में प्रदर्शन कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भावांतर योजना एक छलावा है, रद्द करो की मांगों के साथ विरोध प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बाजरा खरीद व रबी फसलों की बिजाई के लिए पर्याप्त खाद बीज उपलब्ध कराने की मांग को लेकर सोमवार को लघु सचिवालय में विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम अनिरुद्ध यादव को सौंपा। इस अवसर पर किसानों ने एमएसपी पर बाजरा खरीद चालू करो, बाजरे के 2775 रुपये प्रति क्विंटल दाम दो, दाना दाना खरीदने का वादा पूरा करो, भावांतर योजना एक छलावा है, जिसे रद्द करो की मांगों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बाजरा इस इलाके की मुख्य फसल है।

सरकार की बाजरा खरीद की घोषणा को आज 14 दिन हो गए हैं, लेकिन नारनौल सहित जिला की किसी भी अनाज मंडियों में सरकार ने एमएसपी पर बाजरा का एक दाना भी नहीं खरीदा। इससे साफ जाहिर है कि सरकार की मंशा एमएसपी पर बाजरा खरीद की नहीं है। सरकार का दावा किसानों की फसलों का एक एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद जाएगा, जो खोखला साबित हुआ है। इस इलाके की मुख्य फसल बाजरा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदा जाने पर किसानों को बाजरा की फसल औने पौने दामों में बेचनी पड़ी रही है। जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

नारनौल। प्रदर्शन करते संगठन के सदस्य व किसान तथा एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन सौंपते संगठन सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सरकार की भावांतर योजना मंडियों को खत्म करने की योजना

वक्ताओं ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की बजाय भावांतर भरपाई योजना किसानों के साथ छलावा है तथा सरकार की भावांतर योजना मंडियों को खत्म करने की योजना है। सरकार की अनावश्यक शर्तों के कारण किसानों को भावांतर योजना से भी वंचित रह जाएंगे। मार्केट कमेटी व खरीद कर्ताओं का कहना कि बाजरा के रंग के कारण एजेंसियां खरीद नहीं रही। किसानों ने कहा कि बाजरा किसान के खेत में पैदा हुआ है। इसमें किसानों का क्या दोष है। सरकार का एक एक दाना एमएसपी पर खरीद का दावा न सिर्फ हकीकत से कोसों दूर है, बल्कि खोखला साबित हुआ है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि इस इलाके की मुख्य फसल बाजरा की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर जिले की सभी अनाज मंडियों में तत्काल सरकारी खरीद सुनिश्चित की जाए तथा रबी फसलों के लिए पर्याप्त खाद बीज उपलब्ध कराया जाए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एआईकेकेएमएस जिला प्रधान बलबीर सिंह, जिला सचिव डॉ. व्रतपाल सिंह, कामरेड अभय सिंह चन्दपुरा, रामस्वरूप नम्बरदार, शेरसिंह बसीरपुर, हंसराज गणियार, महीपाल सिंह पूर्व सरपंच, छाजूराम रावत, रामकुमार, सीताराम, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब, सुबेसिंह चन्दपुरा, अमर सिंह चन्दपुरा, मास्टर सुबेसिंह, सतीश कुमार, रोहतास नम्बरदार आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

विजय इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने मचाया धमाल

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने हाल ही में ठाकरान की ढाणी एंड फार्म्स में शैक्षणिक भ्रमण किया। इस यात्रा ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आंखों में चमक ला दी। बच्चों ने फार्म्स की प्राकृतिक सुंदरता व गांव के रहन सहन के बारे में जानकारी ली, उन्होंने देखा कि कैसे किसान खेतों में काम करते हैं और फसलें उगाते हैं। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने बताया कि इस भ्रमण ने बच्चों को किताबी ज्ञान से परे जाकर व्यावहारिक अनुभव प्रदान किए। प्रधानाचार्य नत्थूसिंह, सचिव महेंद्र सिंह और शिक्षकों ने बच्चों का मार्गदर्शन किया और उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

सिंघानिया विवि ने पैरा रग्बी टीम का किया अभिनंदन

नारनौल। सिंघानिया विवि परिसर में राजस्थान पैरा रग्बी टीम का स्वागत किया गया, जिसने हाल ही में राष्ट्रीय पैरा रग्बी चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता (रनर-अप) का स्थान हासिल किया। यह प्रतियोगिता तीन से पांच अक्टूबर तक सीडीएस ग्वालियर मध्यप्रदेश में आयोजित की गई थी। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार जीत दर्ज कर फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल में ओडिशा टीम से मुकाबले में राजस्थान टीम उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए रनर-अप का खिताब जीता। इससे पहले 13 से 15 सितंबर तक राजस्थान पैरा रग्बी स्टेट ट्रॉयल चैम्पियनशिप भी सिंघानिया विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की गई थी।

पहले रिमझिम और दोपहर बाद सवा तीन बजे हुई झमाझम बारिश

बरसात होने से किसानों में खुशी रबी बिजाई के अनुकूल बना मौसम

रबी फसल की बिजाई के लिए महेंद्रगढ़ समेत समूचे क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सोमवार सुबह से दिनभर होती रही रिमझिम बरसात एवं दोपहर बाद करीब सवा तीन बजे हुई झमाझम बरसात रबी फसल की बिजाई के लिए महेंद्रगढ़ समेत समूचे क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित हुई है। इस बारिश से किसानों में खुशी है तथा मौसम रबी की फसलों की बिजाई के लिए अनुकूल हो गया है। सोमवार को सुबह से हल्की बूंदाबांदी और फिर सवा तीन बजे अच्छी जोरदार बारिश ने फसल बिजाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा कर दी हैं। इससे जहां बाजारों में चहुंओर पानी भर गया, वहीं इससे किसानों को रबी फसल की बिजाई में पूरा-पूरा फायदा होने की प्रबल संभावना है। इस बारिश से रबी फसल का अबकी बार पिछले सालों की तुलना में क्षेत्रफल ज्यादा बढ़ने की संभावना प्रबल हो गई है। सरसों, गेहूं, जौ, चना जैसी फसलें इस बारिश से लाभान्वित होंगी।

वैसे तो गौर किया जाए तो अबकी बार मानसून सीजन की बरसात भी काफी लंबे समय तक चली थी। हालांकि जब मानसून की बरसात 26 अगस्त को थमी, उसके से मौसम तो बदला, लेकिन ऐसी बरसात नहीं हुई थी। इस दौरान मौसम अधिकांशतया साफ-सुथरा रहा और जिन किसानों को बाजरे की लावणी समय पर नहीं कर पाने की चिंता सता रही थी, उनकी परेशानियां काफी हद तक दूर हो गई थी। उसके बाद से करीब डेढ़ महीना के अंतराल उपरांत आज सोमवार को ही मौसम ने पलटी खाई है तथा पहले रिमझिम एवं बाद में अच्छी बरसात हुई है। इस बरसात से मौसम ने भी करवट बदली है। पहले जहां दिन के समय तेज धूप खिलने से मौसम थोड़ी गर्मी को बना हुआ था, वहीं सोमवार को यही दोपहर का मौसम एकदम से बदल गया और इसमें ठंड घुल गई।

महेंद्रगढ़। आईटीआई मार्ग पर भरा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

फसलों को फायदा

इस बरसात का रबी फसल को बड़ा लाभ मिलने की संभावनाएं हैं। यूं मानो की रबी फसलों की बिजाई के लिए बरसात नहीं, सोना बरसा हो। क्योंकि इस समय खरीफ फसलों की कटाई होने उपरांत खेत खाली पड़े हैं। इसे किसान वरदान मानकर चल रहे हैं, क्योंकि रबी फसल की बिजाई से पहले मौसम में तेजी आने से किसान सिंचाई की जरूरत महसूस कर रहे थे, जो इंद्रदेव ने पूरी कर दी है। बरसात होने से नमी तेजी से फैली है और किसानों को अब रबी खासकर सरसों की बिजाई में कोई परेशानी नहीं आएगी। इलाके के किसान 20 अक्टूबर तक सरसों की बिजाई शुरू करते हैं, लेकिन इस बरसात का फायदा उठाने के चक्कर में किसान अब अगेती सरसों की बिजाई करने को आतुर दिखाई देने लगे हैं। सरसों के साथ ही यहां के किसान चने की फसल भी लेते हैं, जिसके लिए भी इस बरसात को लाभकारी माना जा रहा है। हालांकि गेहूं की फसल भी व्यापक स्तर पर की जाती है, लेकिन उसकी बुवाई में अभी समय बाकी है।

यह कहते हैं अधिकारी

कृषि विभाग के एसडीओ अजय सिंह यादव ने बताया कि बरसात होना फसलों के लिए बड़ा लाभकारी है तथा इससे किसानों को सीधा लाभ होगा। अब रबी की बुवाई से पहले सिंचाई करने की आवश्यकता नहीं है। सरसों की बिजाई हालांकि 20 अक्टूबर तक शुरू होनी है, लेकिन अबकी बार बिजाई जल्दी ही शुरू करने की संभावना है।

बाजार में भरा पानी

सोमवार को दिनभर हुई बरसात से जहां किसानों को राहत मिलने की संभावना बनी है, वहीं शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में अनेक जगहों पर पानी भरने से लोगों की परेशानी भी बढ़ी है। शहर में जल निकासी के पुख्ता इंतजाम नहीं होने से महेंद्रगढ़ में कई जगहों पर पानी भर गया। जगह-जगह पानी भरने से लोगों को राहगीरों को परेशानी हो गई। बरसात में दुकानदारों की दुकानदारी भी प्रभावित हो गई। रेहड़ी एवं खोमचा लगाकर सामान बेचने वालों को भी कमाई से हाथ धौना पड़ गया।

दिनभर हुई हल्की बारिश तापमान में आई गिरावट

नारनौल। जिला महेंद्रगढ़ में तीन मौसम प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से बड़े बदलाव देखने को मिले। सम्पूर्ण इलाके में पिछले 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश व एक दो स्थानों पर ओलावृष्टि की गतिविधियों को दर्ज किया गया। जिससे सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान में गिरावट आई। जिसके असर से आमजन को मीठी गुलाबी ठंड का अहसास होने लगा है। वर्तमान में एक सशक्त पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से एक चक्रवातीय सर्कुलेशन दक्षिणी पंजाब व उत्तरी राजस्थान पर बना हुआ है, जिसको अरब सागर और बंगाल की खाड़ी पर बनी हलचलों से प्रचूर मात्रा में नमी मिलने से पहले रविवार को पश्चिमी व उत्तरी जिलों, इसके बाद सोमवार को दक्षिणी व मध्यवर्ती और उत्तरी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियों को दर्ज किया गया।

तापमान में गिरावट

इस दौरान उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी होने व छिटपुट ओलावृष्टि से सम्पूर्ण इलाके में तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। जिले में सतनाली में 24.0 एमएम, एमहेंद्रगढ़ में 10.6, कनीना में 10, अटेली में 9.5, नारनौल में 18.5, नांगल चौधरी में 8.5 एमएम बारिश हुई। नारनौल व महेंद्रगढ़ में दिन और रात का तापमान क्रमशः 25.5, 22.0 डिग्री सेल्सियस व 22.6, 20. 2डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ डॉ चंद्रमोहन ने बताया कि वर्तमान मौसम प्रणालियों का असर आठ अक्टूबर तक रहेगा। इसके बाद सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी, क्योंकि उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी हो रही है व हवाएं उत्तरी होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में तापमान में गिरावट आएगी। जिससे आमजन को जल्दी ही ठंड से रूबरू होना पड़ेगा।

मंडी अटेली। अनाज मंडी में तिरपाल से ढकी बाजरे की ढेरियां। फोटो : हरिभूमि

साहिल ने स्वर्ण, नसीब व साम्या ने रजत जीते

महेंद्रगढ़। सूरज स्कूल के खिलाड़ी।

- 58वीं हरियाणा स्टेट स्कूल कराटे खेल प्रतियोगिता में सूरज स्कूल के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

कैथल में आयोजित 58वीं हरियाणा स्टेट स्कूल कराटे खेल प्रतियोगिता में सूरज स्कूल के विद्यार्थियों ने अपना परचम लहराया है। सूरज स्कूल में छात्र साहिल पुत्र कृष्ण कुमार ने अंडर-19 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। अंडर-14 आयु वर्ग में विद्यालय के नसीब पुत्र नरेन्द्र ने रजत पदक जीता। लड़कियों की अंडर-14 आयु वर्ग में साम्या पुत्री सत्यवीर ने रजत पदक हासिल किया। प्राचार्य चंद्रपाल यादव ने बताया कि स्कूली खेलों के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि एक ही विद्यालय के तीन विद्यार्थी एकसाथ, एक ही खेल प्रतियोगिता कराटे में राष्ट्रीय स्तर पर महेन्द्रगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता दिसम्बर-जनवरी माह में मध्यप्रदेश के इंदौर और महाराष्ट्र में आयोजित की जाएगी। सूरज स्कूल के खेल कोच जयराम ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय स्तर पर भी विद्यालय के छात्र महेंद्रगढ़ जिले का नाम अवश्य रोशन करेंगे। निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि सूरज स्कूल में प्रारम्भ से ही शिक्षा से साथ-साथ शारीरिक गतिविधियों और खेलों पर विशेष ध्यान दिया जाता है तथा स्कूल के विद्यार्थी समय-समय पर विभिन्न प्रतियोगिता में प्रतिभा दर्शाते रहे है। प्राचार्य चंद्रपाल यादव और सभी अध्यापकों ने विजेता विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

महर्षि वाल्मीकि जयंती का जिला स्तरीय समारोह आज

नारनौल। संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत महर्षि वाल्मीकि जयंती का जिला स्तरीय समारोह सात अक्टूबर को होगा। यह भव्य कार्यक्रम लघु सचिवालय के नजदीक सभागार में होगा। समारोह में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महर्षि वाल्मीकि के महान जीवन मूल्यों, विचारों और समाज को दिए गए उनके संदेशों का व्यापक प्रचार प्रसार करना है। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस महत्वपूर्ण समारोह में उपस्थित होकर महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धांजलि अर्पित करें और उनके आदर्शों से प्रेरणा लें। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

नारनौल। भिवानी में संगीता शर्मा को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

शैक्षणिक सेवा के लिए संगीता शर्मा को मिला सम्मान

नारनौल। ज्योतिबा फुले ट्रस्ट की ओर से भिवानी के हनुमान जोहड़ी धाम परिसर में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में भव्य सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें देश के 11 राज्यों से आए शिक्षकों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवाओं और समाज के प्रति योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में महेंद्रगढ़ जिला के गांव बड़कोदा में जीपीएस स्कूल की शिक्षिका संगीता शर्मा को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी के चेयरमैन डा. पवन शर्मा एवं विधायक घनश्याम दास की विशेष उपस्थिति रही। वहीं शिक्षा जगत की कई नामी हस्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मंच से वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव हैं और उनका योगदान किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार होता है।

9 छात्राएं कबड्डी में राज्य स्तर पर करेंगी जिले का प्रतिनिधित्व

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल की नौ छात्राएं स्टेट लेवल स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेकर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। खेल प्रबंधक महीपाल यादव व कोच उत्तम सिंह ने बताया कि आगामी आठ से 10 अक्टूबर तक हिसार में स्टेट लेवल स्कूली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें श्रीकृष्णा स्कूल की अंडर-14 आयुवर्ग में पांच लड़कियां, अंडर-17 आयुवर्ग में दो लड़कियां व अंडर-19 आयुवर्ग में दो लड़कियां कबड्डी खेल प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता बीते अगस्त माह में महेंद्रगढ़ में करवाई गई थी, जिसमें श्रीकृष्णा स्कूल के कबड्डी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर स्टेट लेवल स्कूल प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई थी। चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि खेल सफल जीवन का आधार तथा आगे बढ़ने की एक विचारधारा है।

महेंद्रगढ़। प्रतिस्पर्धा के लिए रवाना होते श्रीकृष्णा स्कूल के खिलाड़ी।

महेंद्रगढ़। जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

विश्व रेबीज-डे के उपलक्ष्य में निकाली जागरूकता रैली

महेंद्रगढ़। बलाना स्थित आरपीएस कॉलेज ऑफ वेट्नरी साइंसेज की ओर से आरपीएस विद्यालय खातोद में विश्व रेबीज दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में रेबीज जैसी गंभीर व जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना और इसके बचाव के उपायों की जानकारी देना था। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता रैली के साथ हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने हाथों में पोस्टर व स्लोगन लेकर रेबीज के प्रति समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। रैली कॉलेज परिसर से शुरू होकर आसपास के क्षेत्र में निकाली गई, जिसमें रेबीज से बचाव, जीवन का रखाव जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। ग्रुप एक कक्षा छठी, 7वीं, 8वीं से हिमांशी, हंसिका, पार्थ, संध्या, हर्षित, हीरल, भाविका, सोनाली, नेहा, नव्या विजेता रहे। ग्रुप दो कक्षा नौवीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं में ज्योति, जतिन वर्मा, गौरव, आरव राघव, हर्षिता बेरीवाल, कार्तिका, आराध्या, ख़ुशी यादव, हिमांशु परिणीता विजेता रहे।

अजमीढ़ जयंती मनाई गई, प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

महाराजा अजमीढ़ के आदर्श आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक

सांसद ने महाराजा अजमीढ़ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

दादरी रोड पर स्थित सोनी धर्मशाला में महाराजा अजमीढ़ की जयंती मनाई गई। इस दौरान प्रतिभा सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ प्रधान लक्खीराम सोनी ने की। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सांसद ने महाराजा अजमीढ़ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और समाज में एकता, संस्कार एवं सेवा भावना के प्रसार पर बल दिया। चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि महाराजा अजमीढ़ के आदर्श आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने समाज में समानता, परोपकार और जनसेवा के मूल्यों को स्थापित किया, जिन्हें हमें अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। महाराजा अजमीढ़ जयंती के पर छोटे-छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया गया। मास्टर अमरसिंह सोनी के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। लोकसभा सांसद धर्मवीर सिंह ने 11 लाख रुपये, प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल वर्मा ने एक लाख रुपये, विधायक कंवर सिंह यादव ने 2.5 लाख रुपये और समाजसेवी प्रधान सुरेन्द्र बंटी ने एक लाख रुपये धर्मशाला निर्माण में सहयोग किया।

महेंद्रगढ़। अजमीढ़ जयंती कार्यक्रम में अतिथियों को सम्मानित करते हुए।

माफी मांगनी चाहिए

संघ प्रवक्ता राजू सोनी बताया कि भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य एवं भाजपा प्रवक्ता शंकरलाल धूप्पड़, विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा के भाई राजू शर्मा, आदर्श रामलीला कमेटी प्रधान सुरेन्द्र बंटी, समाजसेवी अनिल वर्मा दिल्ली, अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ मुख्य संरक्षक बहादुर सिंह वर्मा, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जयपाल लांबा, महामंत्री चड्ढा, स्वर्णकार सेवा संघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र वर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार महम व संजय सोनी जींद आदि उपस्थित रहे।

जीएल महिला डिग्री कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

कनीना। जीएल महिला डिग्री कॉलेज में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. नेहा ने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता और नशा मुक्ति विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. नेहा ने छात्राओं को बताया कि कैसे स्वच्छता को अपनाकर वे स्वस्थ जीवन जी सकती हैं और नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकती हैं। उन्होंने बताया कि युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए समाज और परिवार को मिलकर प्रयास करने चाहिए। कॉलेज प्रशासन ने इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम को नियमित रूप से आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि छात्राएं न केवल शिक्षित हों, बल्कि सामाजिक रूप से भी जागरूक बनें।

खबर संक्षेप

इंटर कॉलेज एथलीट मीट का आयोजन

डहीना। विवेकानंद पीजी महाविद्यालय में सोमवार को एक दिवसीय इंटर कॉलेज एथलीट मीट का आयोजन किया गया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कॉलेज के निदेशक एडवोकेट सुधीर कुमार ने हरी झंडी दिखाकर खेलों की शुरूआत की। प्रतियोगिता में करीब 30 महाविद्यालयों से 250 प्रतिभागियों ने अलग-अलग खेलों में भाग लिया। विद्यार्थियों ने शॉर्टपुट, लॉन्ग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो,100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, 5000 मीटर दौड़ और 10000 मीटर रेस में हिस्सा लिया।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता कार्यक्रम 9 को

रेवाड़ी। एक नई पहल के तहत ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन नौ को गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज सेक्टर-18 में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली मुख्य अतिथि एवं मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में शामिल होंगी। क्लब की अध्यक्ष नेहा शर्मा ने बताया कि जिला रोटरी टीम छात्राओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए काउंसलिंग करेगी। जिला ब्रेस्ट कैंसर कार्यक्रम की चेयरपर्सन डा. सविता चोपड़ा भी दो अन्य वक्ताओं के साथ कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगी।

माता भवानी के जागरण में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

रेवाड़ी। जिले के गांव कढू भवानीपुरा में रविवार रात्रि माता भवानी का जागरण व सोमवार को भंडारे का आयोजत किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मुख्यातिथि जिला भाजपा सचिव व समाजसेवी दिनेश यादव टींट ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्टातिथि के रूप में समाजसेवी अमन यादव व सरपंच अशोक यादव उपस्थित थे। अतिथियों ने माता के मंदिर में मत्था टेका और मंदिर के विकास के लिए सहयोग भी किया। ग्रामीणों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

अपलोड करने होंगे संपत्ति के दस्तावेज, जांच में सही पाए जाने पर हो जाएगा पंजीकरण

पेपरलेस रजिस्ट्रेशन की शुरूआत कल से सिस्टम अपग्रेडेशन का कार्य हुआ पूरा

बुधवार से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की औपचारिक शुरूआत हो जाएगी

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

प्रदेश के आधा दर्जन जिलों में जमीन की रस्ट्रियों को पेपरलेस करने की शुरूआत 8 अक्टूबर से हो जाएगा। इसके लिए 7 अक्टूबर का दिन तय किया गया था, परंतु इस दिन सरकारी अवकाश होने के कारण यह कार्य अब बुधवार से शुरू हो जाएगा। इसके लिए नेशनल इन्फोरमेटिक्टस सेंटर की ओर से सिस्टम को अपग्रेड करने का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है।

कंप्यूटर पर सोफ्टवेयर पर अपलोड होंगे दस्तावेज

ऑनलाइन रजिस्ट्री कराने के लिए संबंधित व्यक्ति को सीएचसी सेंटर या कंप्यूटर सेंटर से रजिस्ट्री से संबंधित सभी दस्तावेज कंप्यूटर पर अपलोड कराने होंगे। इसके बाद यह डाटा संबंधित तहसीलदार के ऑफिस पहुंच जाएगा। वहां कंप्यूटर पर ही दस्तावेतों की जांच होगी। जांच में त्रुटियां पाने की सूरत में ऑब्जेक्शन लगा दिया जाएगा। दस्तावेज सही पाए जाने की सूरत में तहसीलदार पंजीकरण कर देंगे। उसकी सूचना आवेदक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर पहुंच जाएगी।

पोर्टल बंद होने से रुका रहा कार्य

चूंकि रजिस्ट्री प्रक्रिया को ऑनलाइन बनाने के लिए सिस्टम को अपग्रेड किया जा रहा है, इसलिए सोमवार को पोर्टल सुचारू रूप से नहीं चला। कई सब तहसीलों में इससे कामकाज प्रभावित रहा। जिन तहसीलों में ऑफलाइन रजिस्ट्री कराने के लिए क्रेता और विक्रेता के बीच सोमवार का एग्रीमेंट तय था, उनकी ऑफलाइन रजिस्ट्रियां निर्धारित अवधि को देखते हुए की गई। अन्य रजिस्ट्रियों को ऑनलाइन सिस्टम शुरू होने तक टाल दिया गया।

पहले चरण में अंबाला, कुरूक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर व रेवाड़ी जिलों को शामिल किया गया

अभी तक जमीनों और संपत्तियों की रजिस्ट्री व्यक्तिगत रूप से तहसील परिसर में उपस्थित होकर कराई जाती रहीं हैं। इसमें क्रेता और विक्रता के साथ-साथ गवाहों तथा नंबरदारों को भी रजिस्ट्री के समय तहसीलदार या सक्षम अधिकारी के समक्ष उपस्थित रहना अनिवार्य था। प्रदेश सरकार ने रजिस्ट्री प्रक्रिया को सुगम व पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्री प्रक्रिया शुरू कराने का निर्णय लिया था। योजना के पहले चरण में अंबाला, कुरूक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर व रेवाड़ी जिलों को शामिल किया गया है। सीएम की घोषणा के साथ ही एनआईसी की ओर से ऑनलाइन रजिस्ट्री कराने के लिए सिस्टम को अपग्रेड करना शुरू कर दिया था। सिस्टम अपग्रेड होने के कारण ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू होने के लिए तैयार है। एनआईसी की ओर से ऑनलाइन रजिस्ट्री करने के लिए फॉरमैट तैयार किया जा चुका है। इसके तहत रजिस्ट्री कराने के लिए अपाइंमेंट के फॉरमेड भी अपलोड कर दिए गए हैं। बुधवार से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की औपचारिक शुरूआत हो जाएगी। सिस्टम पर डाटा अपलोड होने के बाद आवेदकों की रस्ट्रियां घर बैठे ही हो सकेंगी।

तहसील के चक्कर नहीं

ऑनलाइन रजिस्ट्री प्रक्रिया में जमीन या संपत्ति के पंजीकरण के लिए वह सभी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी, जो ऑफलाइन रजिस्ट्री के लिए करनी होती हैं। फर्क सिर्फ इतना रहेगा कि रजिस्ट्री कराने वाले लोगों को तहसील कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। दस्तावेज में किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर रजिस्ट्री पर ऑबजेक्शन लगाकर या तो पेंडिंग रखा जाएगा या फिर उसे निरस्त करने का अधिकार तहसीलदार या नायब तहसीलदार को होगा।

सभी तैयारियां पूरी

ऑनलाइन पंजीकरण से संबंधित सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। सिस्टम भी अपग्रेड हो चुका है। इस कार्य से जुड़े कर्मचारियों को भी ट्रेंड किया जा चुका है। ऑनलाइन रजिस्ट्रियों की शुरूआत बुधवार से शुरू की जा रही है।

-रमन कुंडू, तहसीलदार।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता में स्लोगन व पोस्टर दिखाते हुए छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

गर्ल्स कॉलेज में हुई स्लोगन राइटिंग में सूर्या व पोस्टर मेकिंग में हनी विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

खास बातें
- स्लोगन राइटिंग व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिएं हुई
- प्रतियोगिता में 64 छात्राओं ने भाग लिया
- प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने छात्राओं को प्रोत्साहित किया

सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या कॉलेज में सोमवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में सप्ताह भर चलने वाले जागरूकता अभियान के तहत स्लोगन राइटिंग व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर व मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता में 64 छात्राओं ने भाग लिया। इस मौके पर कॉलेज प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सफलता के लिए छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहना बहुत आवश्यक है,क्योंकि इसी के माध्यम से व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास हो पाता है। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में सूर्या बीए प्रथम वर्ष ने प्रथम, अमानिया बीकॉम प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान व चंचल बीए प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बीकॉम थर्ड ईयर से हनी यादव ने प्रथम, संजना ने द्वितीय व बीएससी प्रथम वर्ष से मुस्कान ने तीसरा स्थान हासिल किया। कार्यक्रम की संयोजिका डा. रितू चौधरी ने सभी विजेताओं को बधाई दी व छात्राओं से इस प्रकार की प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर डा. सुचेता रानी, प्रियंका, ममता व मनीषा सहित कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

संसार में वाल्मीकि रामायण एक अनुपम कृति एवं आदर्श ग्रंथ : श्रुति शर्मा

तुलसी यदि रामकाव्य के पिता हैं तो वाल्मीकि को पितामह कहा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की ओर से महर्षि वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर जहां वाल्मीकि रामायण के मूल शब्द राम नाम पर चर्चा हुई, वहीं साहित्य में आई गिरावट पर जताई चिंता जताई गई। मुख्य वक्ता के रूप में परिषद् के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. रमेशचंद्र शर्मा ने वाल्मीकि व तुलसीदास के राम काव्य को जीवन का आदर्श बताते हुए कहा कि तुलसी यदि रामकाव्य के पिता हैं तो वाल्मीकि को पितामह कहा जाएगा। वो मानव सृष्टि को रामायण जैसा ग्ंरथ देकर धन्य कर गए। विश्वकर्मा स्कूल में आयोजित विचार गोष्ठी में परिषद् महामंत्री गोपाल शर्मा वशिष्ठ ने मंच संचालन किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में श्रुति शर्मा को सम्मानित करते परिषद के सदस्य।

गोष्ठी में साहित्य प्रेमियों ने राम पर विचार प्रकट किए

गोष्ठी में साहित्य प्रेमियों ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्श ग्रंथ रामायण एवं उसके मूल शब्द राम पर अपने विचार प्रकट किए। कवित्री रेखा कौशिक ने वाल्मीकि के साहस को प्रणाम करते हुए कहा कि- रत्नाकर भये वाल्मीकि, जपा मरा मरा नाम, रामायण न लिखते वाल्मीकि तो कैसे मिलते राम। वरिष्ठ सदस्य तेजभान कुकरेजा ने रत्नाकर के वाल्मीकि बनने के दृष्टांत का वर्णन करते हुए कहा कि मरा मरा नाम जपा जब जाना, वाल्मीकि भये ब्रह्म समाना। आचार्य रामतीर्थ ने रामायण को जीवन चरित्र का सुगठित एवं आदर्शतम स्वरुप बताया। अधिवक्ता रणजीत सिंह ने वाल्मीकि रामायण को प्रकृति से परिपूर्ण प्रथम वैज्ञानिक ग्रंथ बताया, जिसमें नैतिकता की पराकाष्ठा है और वह हृदय को पवित्र करने की यात्रा है।

बोले प्रमुख वक्ता

डा.एलएन शर्मा ने राम के चरित्र को समन्वय का प्रतीक बताते हुए कहा कि मनुष्य की पहचान उसके भीतर छिपी मानवता व कृतज्ञता से होती है। राम आदर्श इसीलिए हैं, क्योंकि उन्होंने जाति भेद से दूर रहते हुए समाज के सभी वर्गों को संगठित किया। महामंत्री गोपाल शर्मा ने कहा कि राम एक ऐसा शब्द है, जो मनुष्य के जन्म से लेकर मरण तक की यात्रा है। तीन लोक सात खंड में, नहीं सनातन सा पंथ, वाल्मीकि सा रचयिता नहीं, रामायण सा ग्रंथ। अध्यक्षीय संबोधन में परिषद् अध्यक्षा श्रुति शर्मा ने कहा कि पूरे संसार में वाल्मीकि रामायण एक अनुपम कृति एवं आदर्श ग्रंथ है। एक संस्कारशाला है, जिसमें चरित्र की सार्थक व्याख्या की गई है। चंद्रकांत ने भी अपनी भावाभिव्यक्ति दी। परिषद् की ओर से श्रुति शर्मा को बाल कल्याण समिति की चेयरपर्सन मनोनीत किए पर शुभकामनाएं दी गई।

परिचय वर्ग सम्मेलन में संगठन के लक्ष्यों और आयामों पर की चर्चा

महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सोमवार को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत हरियाणा प्रांत जिला इकाई की ओर से परिचय वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रांत अध्यक्ष डा. आरबी यादव के दिशा-निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष डा. डीके शर्मा एवं जिला संघ चालक रामावतार गौतम भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन मंत्री कृष्ण कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रांत उपाध्यक्ष डा. डी के शर्मा ने संगठन के इतिहास, परिचय एवं कार्य प्रणाली पर प्रकाश डालते हुए संगठन की विचारधारा को मूल स्तर पर लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने सदस्यों से संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रांत अध्यक्ष डा. आरबी यादव ने संगठन के लक्ष्यों और आयामों पर चर्चा की। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं महिला जागरूकता जैसे विषयों पर जानकारी दी।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में रामनिवास, विजय सिंह, अनिल कुमार, दिनेश, मोनू यादव, राहुल यादव, अशोक कुमार, सुरेश त्यागी, विनोद, रामकिशोर, महेश कुमार, नरेश कुमार, अमित, धीरज शर्मा, संजीव यादव, अंकित, नरवीर, उमेश भारद्वाज, तरुण, जोली, नरेंद्र, भूपेंद्र कुमार, अभिषेक यादव, श्रवण कुमार, संजय ठाकुर, बिहारी लाल, यशपाल, अभय सिंह, देवेंद्र, कैलाश, हंसराज, जसपाल, रमेश सचदेवा, यशपाल, राजेश, राकेश, अजय यादव, दिनेश कुमार, राम अवतार, अतुल, अनिल, संजीव, सचिन व राकेश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। जिला अध्यक्ष विपिन धींगरा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

पटवारियों ने काली पट्टी बांधकर जताया रोष, आठ को देंगे धरना

कोसली/बावल। जिले में सोमवार को पटवारियों ने अपनी मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर कार्य करके विरोध जताया। रेवाड़ी, कोसली व बावल तहसील में पटवारियों ने पटवारियों की परीक्षा लेकर नियमित रूप से नियुक्ति किए जाने तथा नियुक्ति को जाइनिंग की तिथि से ही से ही नियमित मानते हुए पूरा वेतनमान देने सहित अन्य मुद्दों का समाधान किए जाने की मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर कार्य किया। पटवारियों ने कहा कि विभिन्न मुद्दों को लेकर सभी पटवारी रोष स्वरूप तीन दिन 8 अक्टूबर को काली पट्टी बांधकर काम करेंगे तथा 9 अक्टूबर को एक दिन का सांकेतिक धरना देकर सरकार को ज्ञापन भेजा जाएगा। बावल में भी पटवारीयों ने हाथ पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। पटवारियों के अनुसार

ट्रेनिंग पटवारी सर्विस पीरियड को कम करने के लिए अभी तक नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है और ट्रेनिंग पीरियड की सैलरी नहीं दी गई है, सिर्फ भत्ता दिया जा रहा है, जबकि सरकारी ने कहा था कि ट्रेनिंग पीरियड को सर्विस टाइम में जोड़ा जाएगा और पूरी सैलरी दी जाएगी।

किसान खेत मजदूर संगठन ने बाजरा खरीद का किया निरीक्षण

रेवाड़ी। सोमवार को ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार निमोठ के नेतृत्व में संगठन के सदस्यों ने नई अनाज मंडी में फसल खरीद की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया व किसानों की समस्याओं पर चर्चा की। किसानों ने कहा कि बाजरा 1800 से 2000 के भाव से बिक रहा है, जबकि घोषित समर्थन मूल्य 2200 रुपये प्रति क्विंटल है। सरकार की ओर से भावांतर के रूप में 575 रुपये दिए जा रहे है। कम दाम में बाजरा बिकने से किसानों को 200 से 400 रुपए तक का आर्थिक नुकसान हो रहा है। रामकुमार निमोठ ने कहा कि सरकार बाजरे की एमएसपी 2775 रुपये प्रति क्विंटल पर ही खरीद करें। किसानों को भावांतर से छुटकारा दिलाएं जाए। अनामंडी में तोल के लिए इलेक्ट्रॉनिक कांटे लगाएं जाए ताकि तोल में

गड़बड़ी न हो सकें। इस मौके पर संगठन से अमरसिंह राजपुरा , धर्मपाल आलियावास, निरंजन, राकेश कुमार व राजबीर मौजूद थे।

मेघवाल उत्थान समिति ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रेवाड़ी। मेघवाल उत्थान समिति की ओर से सोमवार को जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। समिति की ओर से सरकार से अनुसूचित जाति के लिए मेघवाल शब्द को सहमति देने की मांग की गई। समिति की ओर से डीआरओ प्रदीप देशवाल को ज्ञापन सौंपा गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि मेघवाल शब्द को डीएससी सूची से हटाकर ओएससी में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि जातिगत नामों में परिवर्तन से समुदाय के सदस्यों में आत्मसम्मान की भावना जागृत होगी तथा सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन राज्य सरकार की समावेशी नीतियों के अनुरूप होगा। इस मौके पर वेद प्रकाश रिटायर्ड एसडीओ संरक्षक मेघवाल उत्थान समिति, सूरजभान

प्रिंसिपल प्रधान मेघवाल उत्थान समिति, सचिव भूपेन्द्र शेखपुर मेघवाल,अशोक मेघवाल सहसचिव, परमेश्वर दयाल प्रभारी बावल, भगत सिंह सांभरिया अध्यक्ष सेवा स्तंभ, सूबेदार रमेश चंद प्रधान बावल, महेंद्र सिंह मेघवाल गुजरीवास प्रभारी रेवाड़ी), सुंदरलाल भटेड़िया सलाहकार मेघवाल उत्थान समिति, सुजान सिंह मेघवाल, रविन्द्र एक्स सरपंच रायपुर, सावंत सिंह आदि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते समिति के सदस्य।

अस्पताल बनाओ संघर्ष समिति का वॉलीबाल टूर्नामेंट आयोजित

जैनाबाद की टीम बनी विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सरकारी अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी रामगढ़ भगवानपुर का धरना सोमवार को 112वें दिन में प्रवेश कर गया। धरने की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की धरने पर रोजाना अलग-अलग संगठन और गांवों से पुरूष और महिलाएं शामिल हो रहे हैं। धरने में रामगढ़ भगवानपुर के अलावा तुर्कियावास, बुड़ाना, बुड़ानी, फिदेड़ी, सुनारिया, फदनी, मीरपुर, मांढैया कला, गोकलपुर, डाबड़ी,डोहकी, मुंढलिया, ढाकिया फदनी, बालियर खुर्द, माढैया कला, जाटी व गंगायचा जाट गांवों के ग्रामीण सहयोग दे रहे है। समिति की ओर से ओपन वालीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था, जिसमें कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया और प्रतियोगिता रविार देर रात्रि तक जारी रही। प्रतियोगिता में जैनाबाद की टीम ने प्रथम और रामगढ़ की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इस खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य आपसी भाईचारा व एकता को मजबूत करते हुए सरकारी अस्पताल बनाने की मांग के लिए समर्थन जुटाना था। सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा कि संघर्ष समिति हॉस्पिटल बनाने के जायज हक के लिए शांतिपूर्ण अनुशासित एवं लोकतंत्रतिक तरीके से आंदोलन करती रहेगी।

जयंती | बाल भवन में समारोह का आयोजन, सफाई योद्धाओं को किया गया सम्मानित

महर्षि वाल्मीकि जैसे संत-महापुरुषों के जीवन से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और मर्यादा के धर्म का होता ज्ञान: विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जैसे संत-महापुरुषों के जीवन से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और मर्यादा के धर्म का ज्ञान होता है। इस प्रकार के आयोजन हमारी भावी पीढ़ी को नई दिशा देने में अहम हैं। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव सोमवार को बाल भवन ऑडिटोरियम में जिला प्रशासन, सूचना, जनसंपर्क, भाषा विभाग हरियाणा की ओर से आयोजित किए गए महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता डीसी अभिषेक मीणा ने की। भाजपा जिला अध्यक्ष डा.वंदना पोपली, हरियाणा सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन इंजी.कृष्ण कुमार, नगर परिषद चेयरमैन पूनम यादव व भाजपा नेता हुकम सिंह यादव भी कार्यक्रम में मौजूद थे। अतिथियों ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने अतिथियों का अभिनंदन किया।

समारोह में मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए

रेवाड़ी। कार्यक्रम में डांस की प्रस्तुति देते हुए छात्राएं तथा कार्यक्रम में सफाई कर्मियों को सम्मानित करते विधायक व डीसी। फोटो : हरिभूमि

ऐसे आयोजन हमें महान विभूतियों के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देते हैं

इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार की ओर से संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना चलाई जा रही है। इस परंपरा के शुरू होने से सामाजिक समरसता और महान संतों की गौरव गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का सफल प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने समाज के महापुरुषों को याद नहीं करेंगे तो हमारी सभ्यता के महत्वपूर्ण पहलू इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएंगे। इसलिए सरकार की ओर से धन्ना भगत, कबीरदास, महात्मा ज्योतिबा फुले व संत रविदास आदि महापुरुषों की याद में उनकी जयंती पर राज्य व जिलास्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर कराया जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि आर्यव्रत देश के आदि कवि माने जाते हैं। उनके जीवन से वर्तमान पीढ़ी को कड़ी मेहनत और शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा लेनी चाहिए। हजारों साल पहले उन्होंने संस्कृत भाषा में रामायण को सबसे पहले लिखा, जिसका आज भी श्रद्धा भाव से मनन किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन हमें जीवन में महान विभूतियों के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरणा देते हैं।

सफाई योद्धाओं को किया सम्मानित

भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली ने कहा कि रामायण की रचना कर महर्षि वाल्मीकि ने ही सीता के पतिव्रता धर्म, भगवान राम के मर्यादित आचरण, लक्ष्मण की सेवा आदि गुणों का सुंदर बखान किया। सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन इंजी.कृष्ण कुमार ने कहा कि जयंती के अवसर पर सभी सफाई कर्मचारियों को यह प्रण लेना चाहिए कि वे अपने बच्चों को शिक्षित बनाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से समाज का विकास किया जा सकता है। नगरपरिषद की चेयरमैन पूनम यादव ने कहा कि सभी सफाई कर्मचारी शहर को साफ-सुथरा बनाने में लगे हुए हैं। समारोह में मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। आरपीएस धारूहेड़ा की छात्रा निवेदया ने ओडिसी नृत्य पेश किया। पीएम श्री राकवमावि की छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए समूह नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति दी। प्रवक्ता सुधीर यादव ने महर्षि वाल्मीकि की जीवन शैली पर केंद्रित स्वरचित गीत पेश किया। विधायक लक्ष्मण सिंह व डीसी अभिषेक मीणा सहित अन्य अतिथियों ने शहर के सफाई योद्धाओं को सम्मानित किया।

समारोह में ये रहे मौजूद

समारोह में जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनु बाला, जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव, सांस्कृतिक कार्यक्रम नोडल अधिकारी प्राचार्य डा. ज्योत्स्ना यादव, प्रवक्ता पूनम यादव, नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता अंकित वशिष्ठ, अधीक्षक उषा रानी, एआईपीआरओ कोसली अभिसार कौशिक, हिमांशु पालीवाल, सुनील ग्रोवर, सौरभ यादव, दीपा भारद्वाज, प्रशांत व नीरज मौजूद थे।